हिन्दी बुलेटिन

(अर्द्ध वार्षिक बुलेटिन, अंक–20, जुलाई–दिसम्बर, 2024)

संकलन एवं सम्पादन

डॉ. वेद प्रकाश
सहायक निदेशक
प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ)

हिन्दी प्रकोष्ठ
राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान
(नीति आयोग, भारत सरकार)
सेक्टर ए–7, संस्थागत क्षेत्र, नरेला, दिल्ली–110040

महानिदेशक की कलम से

राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान के महानिदेशक के रूप में कार्य करते हुए मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय, भारत सरकार के राजभाषाई आदेशों का इस संस्थान में नियमित रूप से अनुपालन किया जाता है और भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार संस्थान में राजभाषा हिन्दी का प्रचार–प्रसार करने का सफल प्रयास किया जा रहा है। अभी हाल ही में राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित नराकास की छमाही रूप से आयोजित की जाने वाली दिसम्बर, 2024 की बैठक में संस्थान में निष्पादित किए जा रहे राजभाषाई गतिविधियों से सम्बन्धित कार्यों की प्रसंसा की गयी है।

इस संस्थान में राजभाषाई आदेशों के अनुपालन का सिलसिला वर्ष 1999 में संस्थान का संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति के निरीक्षणोपरान्त औपचारिक रूप से शुरू हुआ। संस्थान में राजभाषाई आदेशों के अनुपालन करवाने के लिए संस्थान में औपचारिक रूप वर्ष 1999 में हिन्दी प्रकोष्ठ का गठित किया गया है जिसका प्रबन्धन वर्ष 1999 से ही संस्थान के संकाय सदस्य द्वारा किया जाता रहा है। संस्थान की हिन्दी प्रकोष्ठ का यह निरन्तर प्रयास रहा है कि संस्थान के समस्त अनुसंधान एकांशों, प्रशिक्षण एकक, एवं अनुभागों में अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में ही निष्पादित किया जाए।

संस्थान में हिन्दी बुलेटिन, जुलाई–दिसम्बर, 2024 के इस 20वें संस्करण के प्रकाशन के अवसर पर मैं संस्थान की मुख्य गतिविधियों से सम्बन्धित कार्यों को हिन्दी में करने वाले संस्थान के समस्त संकाय सदस्यों और स्टाफ को शुभकामनाएं देता हूँ। संस्थान के समस्त संकाय सदस्यों और स्टाफ से यह भी अनुरोध करता हूँ कि वह सभी अधिक से अधिक कार्य राजभाषा हिन्दी में ही करें जिससे कि संस्थान में हिन्दी के कार्यों को सरकार द्वारा निर्धारित राजभाषाई लक्ष्य के अनूरूप पूरा किया जाता रहे।

संस्थान को अपना बहुमूल्य समर्थन देने के लिए विदेश मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य विभागों के प्रति भी मैं अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं संस्थान की मुख्य गतिविधियों को पूरा करने के लिए राश्रअअविसं के संकाय सदस्यों और स्टाफ के समर्पण और योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ।

जयन्त सिंह
महानिदेशक

दिनांक : 04 फरवरी, 2025

हिन्दी बुलेटिन के 20वें संस्करण के सम्बन्ध में

राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान में राजभाषा (हिन्दी) के सफल कार्यान्वयन से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के निर्धारित एवं नियमित कार्य जैसे–संस्थान में हिन्दी की प्रगति से सम्बन्धित तिमाही रिपोर्ट तैयार करना, छमाही रिपोर्ट तैयार करना, वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन करना, हिन्दी पखवाड़े का आयोजन करना, संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन करना, हिन्दी दिवस का आयोजन करना, तथा संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवश्यक राजभाषाई हिन्दी प्रशिक्षण की व्यवस्था करना, आदि–आदि, महत्वपूर्ण कार्य होते हैं।

यह उल्लेखनीय होगा कि संस्थान में राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय, भारत सरकार के राजभाषाई आदेशों का अनुपालन सुनिशित करने एंव राजभाषा हिन्दी का प्रचार–प्रसार करने के उद्देश्य से वर्ष 1999 में गठित हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा संस्थान में नियमित हिन्दी पदों की अनुपलब्धता के चलते राजभाषा (हिन्दी) के कार्यान्वयन से सम्बन्धित सभी नियमित एवं पूर्णकालिक तकनीकी प्रकृति वाली राजभाषाई गतिविधियों से सम्बन्धित कार्यों को संस्थान के संकाय सदस्य/सदस्यों द्वारा वर्ष 1999 से सफलतापूर्वक निष्पादित किया जाता रहा है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2020 में हिन्दी बुलेटिन के लिए तय किए गए निर्धारित विषयों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए इस बुलेटिन में संस्थान के परिचय के अलावा संस्थान में जुलाई–दिसम्बर, 2024 की अवधि के दौरान हिन्दी प्रकोष्ठ के चुनिन्दा निर्धारित एवं नियमित कार्यों के अलावा संस्थान में राजभाषा (हिन्दी) के कार्यों की प्रगति के रूप में संस्थान में राजभाषा (हिन्दी) में किए गए कार्यों का ब्यौरा, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) का अनुपालन, राजभाषा नियम–5 का अनुपालन, संस्थान के हिन्दी बुलेटिन का प्रकाशन, संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा–2024 एवं हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन, संस्थान में वर्ष 2024 में आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं एवं विजेताओं के नाम, नीति आयोग द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला में प्रतिभागिता, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस–2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में सहभागिता, संस्थान में हिन्दी दिवस–वर्ष 2024 का आयोजन, संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन, प्रगति रिपोर्ट, एवं समीक्षा रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद, नराकास की बैठक में प्रतिभागिता, तथा विभागीय/ संगठनीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक का आयोजन, आदि राजभाषाई गतिविधियों की जानकारी को हिन्दी बुलेटिन के इस 20वें अंक में प्रकाशन के लिए सम्मिलित किया गया है।

डॉ वेद प्रकाश
सहायक निदेशक
एवं प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ)

दिनांक : 04 फरवरी, 2025

संस्थान का परिचय

संस्थान की स्थापना 1962 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड मैनपावर रिसर्च (जनसाधन अनुसंधान संस्थान) के नाम से की गई थी तथा 9 जून, 2014 को इसका नाम बदलकर नया नाम राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (राश्रअअविसं) कर दिया गया।

संस्थान की गतिविधियों में अनुसंधान का महत्वपूर्ण स्थान है। अपनी स्थापना के बाद से ही संस्थान श्रम और रोजगार, कौशल अंतर विश्लेषण, जेन्डर और रोजगार के विभिन्न आयामों पर अनुसंधान में सक्रिय रूप से कार्यरत है। संस्थान का मुख्य रूप से वित्त पोषण नीति आयोग से प्राप्त सहायता अनुदान से होत है तथा विभिन्न मंत्रालयों एवं बहुपक्षीय संगठनों से प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं से अपने स्वयं

संस्थान की सजीवता को दर्शाने वाला संस्थान के प्रवेश द्वार का फोटो

संस्थान का प्रशासनिक, प्रबन्धन व कम्प्यूटर ब्लॉक (बाहर से)

के राजस्व द्वारा अनुपूरक किया जाता है, जो कि विदेश मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित शिक्षा और प्रशिक्षण गतिविधियों से प्राप्त होता है।

यह उल्लेखनीय है कि पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से संस्थान मानव संसाधन नियोजन और विकास से संबंधित विविध विषयगत क्षेत्रों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों, मुख्य रूप से दुनिया भर में सरकार, उद्योग और अकादमिक संस्थानों के वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारियों, विशेषकर विकासशील देशों के लिए सफलतापूर्वक अकादमीय और प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है।

जुलाई, 2024 से दिसम्बर, 2024 की अवधि के दौरान संस्थान में राजभाषा (हिन्दी) के कार्यों की प्रगति

संस्थान में राजभाषा (हिन्दी) में किए गए कार्यों का ब्यौरा–एक समीक्षा

राजभाषा नियमों के अनुसार भारतगण राज्य के राज्यों एवं केन्द्र शासित राज्यों का भाषा के आधार पर विभाजन–

'क' क्षेत्र– हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, दादर एवं नागर हवेली, और अण्डमान निकोबार।

'ख' क्षेत्र– पंजाब, चण्डीगढ़, महाराष्ट्र, और गुजरात।

'ग' क्षेत्र– उपरोक्त 'क' एवं 'ख' क्षेत्रों में वर्णित राज्यों एवं केन्द्र शासित राज्यों के अलावा शेष सभी।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) का अनुपालन

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अन्तर्गत इस बुलेटिन की अवधि जुलाई से दिसम्बर, 2024 की अवधि के दौरान कुल 323 कागजात राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अन्तर्गत जारी किए गए जो सभी द्विभाषी रूप में जारी किए गए। इससे राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित हुआ।

राजभाषा नियम–5 का अनुपालन

राजभाषा नियम–5 के अनुसार जुलाई से दिसम्बर, 2024 की सूचनाओं वाले इस हिन्दी बुलेटिन की अवधि के दौरान संस्थान में हिन्दी में कुल 4 पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 01 पत्र का उत्तर हिन्दी में दिया गया और शेष 3 पत्रों का उत्तर दिया जाना अपेक्षित नहीं पाया गया।

अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए जाने की स्थिति

'क' क्षेत्र से — सन्दर्भित छमाही जुलाई से दिसम्बर, 2024 के दौरान संस्थान को अंग्रेजी में 42 पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 20 पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिया गया तथा 22 पत्रों का उत्तर दिया जाना अपेक्षित नहीं था।

'ख' क्षेत्र से — सन्दर्भित छमाही जुलाई से दिसम्बर, 2024 के दौरान संस्थान को कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ।

संस्थान से भेजे गए मूल पत्रों का ब्यौरा

'क' क्षेत्र को — सन्दर्भित छमाही जुलाई से दिसम्बर, 2024 के दौरान संस्थान से 'क' क्षेत्र को हिन्दी/द्विभाषी रूप में कुल 98 पत्र भेजे गए जो सभी हिन्दी/द्विभाषी रूप में भेजे गए जिससे इस छमाही में हिन्दी/द्विभाषी में भेजे गए पत्रों का प्रतिशत 100 हो गया। इस प्रकार, इस छमाही में भी संस्थान को राजभाषा विभाग के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में सफलता मिली।

'ख' क्षेत्र को — संस्थान से 'ख' क्षेत्र को हिन्दी/ द्विभाषी रूप में कुल 10 पत्र भेजे गए जो सभी हिन्दी/द्विभाषी रूप में भेजे गए जिससे इस छमाही में हिन्दी/द्विभाषी में भेजे गए पत्रों का प्रतिशत 100 हो गया। इस सम्बन्ध में संस्थान ने सन्दर्भित छमाही जुलाई से दिसम्बर, 2024 के दौरान राजभाषा विभाग के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने का सफल प्रयास किया।

'ग' क्षेत्र को — संस्थान से 'ख' क्षेत्र को हिन्दी/ द्विभाषी रूप में कुल 14 पत्र भेजा गया जो सभी हिन्दी/द्विभाषी रूप में भेजे गये। इससे इस छमाही में हिन्दी/द्विभाषी रूप में भेजे गए पत्रों का प्रतिशत 100 हो गया, जिससे सन्दर्भित छमाही जुलाई से दिसम्बर, 2024 के दौरान संस्थान में राजभाषा विभाग के निर्धारित लक्ष्य को पूरा किया किया जाना सम्भव हो सका।

फाईलों/दस्तावेजों पर लिखी गई टिप्पणियों का ब्यौरा

संस्थान में इस बुलेटिन की अवधि जुलाई से दिसम्बर, 2024 छमाही की अवधि के दौरान कुल टिप्पणियों के पृष्ठों की संख्या 318 रही, जिनमें हिन्दी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की

संख्या 260 तथा अंग्रेजी में लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की संख्या 58 मिली। हिन्दी में लिखी गई टिप्पणियों के लिए के राजभाषा विभाग के निर्धारित लक्ष्य 75 प्रतिशत से ज्यादा लगभग 82 प्रतिशत हो गया जिससे संस्थान द्वारा राजभाषा विभाग के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में सफलता मिली।

संस्थान के हिन्दी बुलेटिन का प्रकाशन

संस्थान में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन से सम्बन्धित सूचनाओं का प्रचार–प्रसार करने के लिए संस्थान की हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा तैयार किए गए और संस्थान के महानिदेशक द्वारा अनुमोदित किए गए संस्थान के अर्द्धवार्षिक बुलेटिन के अंक–19, जनवरी–जून, 2024 का प्रकाशन किया गया। संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जानकारी में लाने के लिए उक्त हिन्दी बुलेटिन के 19वें अंक की प्रतिलिपि को सभी सम्बन्धितों को प्रदान किया किया गया।

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा–2024 एवं हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन

संस्थान में दिनांक 1 से 14 सितम्बर, 2024 की अवधि के दौरान हिन्दी पखवाड़ें का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ें की अवधि के दौरान संस्थान में हिन्दी की विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया–

(1) हिन्दी–निबन्ध लेखन प्रतियोगिता (हिन्दी भाषी)

(2) हिन्दी–निबन्ध लेखन प्रतियोगिता (अहिन्दी भाषी)

(3) हिन्दी श्रुतिलेखन प्रतियोगिता (केवल एमटीएस हेतु)

(4) हिन्दी में कविता लेखन प्रतियोगिता (हिन्दी भाषी)

(5) हिन्दी में कविता लेखन प्रतियोगिता (अहिन्दी भाषी)

(6) सरकारी कामकाज में हिंदी टिप्पणी लेखन

(7) संस्थान/ कार्यालय के अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिटेक्शन देना

उपरोक्त वर्णित सभी प्रतियोगिताओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए श्री आशा राम, हिन्दी प्रध्यापक, केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली तथा श्री

सूरज प्रकाश बडगूजर, परामर्शदाता (राजभाषा), हिन्दी अनुभाग, नीति आयोग, नई दिल्ली को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

संस्थान में वर्ष 2024 में आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं एवं विजेताओं के नाम–

प्रतियोगिता का नाम	पुरस्कार	नकद पुरस्कार राशि (रूपये)	विजेता का नाम
हिन्दी–निबन्ध लेखन प्रतियोगिता	प्रथम	1500	श्री देवेन्द्र कोहाड
(हिन्दी भाषी)	द्वितीय	1000	श्री मोहन सिंह
	तृतीय	500	श्री ललित मोहन पाण्डे
हिन्दी–निबन्ध लेखन प्रतियोगिता	प्रथम	1500	डॉ. तापस कु. सारंगी
(अहिन्दी/ हिन्दीतर भाषी)	द्वितीय	1000	डॉ. डी. इन्द्राकुमार
कविता लेखन (हिन्दी भाषी)	प्रथम	1500	डॉ. रूबी धर
	द्वितीय	1000	श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता
	तृतीय	500	श्रीमती मीनाक्षी माथुर
कविता लेखन (अहिन्दी भाषी)	प्रथम	1500	श्रीमती चैताली रॉय
हिन्दी श्रुतिलेखन प्रतियोगिता	प्रथम	1500	श्री उमा शंकर गौण्ड
	द्वितीय	1000	श्री मही पाल सिंह

सरकारी कामकाज में हिंदी टिप्पणी लेखन तथा संस्थान/ कार्यालय के अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिटेक्शन देना के लिए आयोजित की गयी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कोई प्रविष्ठि प्राप्त नहीं हुई।

संस्थान के एकांशों, एवं अनुभागों में हिन्दी का प्रचार–प्रसार बढ़ाने के उद्देश्य से 1 जुलाई, 2023 से 30 जून, 2024 (सितम्बर, 2023 से जून, 2024 को समाप्त तिमाही) की अवधि के दौरान हिन्दी टिप्पण पृष्ठों को प्रशस्ती प्रमाण–पत्र करने का आधार मानते हुए उक्त एक वर्ष की अवधि में संस्थान के एकांशों, एवं अनुभागों में हिन्दी में लिखे गए टिप्पण पृष्ठों की संख्या को प्रतिशतता के आधार पर तैयार किया गया, जिसके आधार पर संस्थान के एकांशों, एवं अनुभागों में वित्त अनुभाग, भण्डारण अनुभाग, और प्रशासन अनुभाग को संस्थान में हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु महत्वपूर्ण योगदान करने के लिए उक्त अनुभागों में कार्यरत क्रमशः श्रीमती मीनाक्षी माथुर (वित्त अनुभाग), श्री देवेन्द्र कोहाड (भण्डारण अनुभाग), एवं श्री यश पाल वर्मा, (प्रशासन अनुभाग) को प्रशस्ती प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

नीति आयोग द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला में प्रतिभागिता

संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों को संस्थान में उनके द्वारा निष्पादित किए जा रहे कार्यों को हिन्दी भाषा में करने के लिए उनके हिन्दी भाषा के प्रति रूझान को बढ़ाने के उद्देश्य से संस्थान के मंत्रालय (नीति आयोग) के हिन्दी अनुभाग द्वारा दिनांक 12–09–2024 को आयोजित की गयी हिन्दी कार्यशाला में हिन्दी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. वेद प्रकाश, सहायक निदेशक ने भाग लिया।

राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस–2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में सहभागिता

राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में 14 सितम्बर, 2024 को हिन्दी दिवस एवं 15 सितम्बर, 2024 को चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें संस्थान की ओर से डॉ. वेद प्रकाश, सहायक निदेशक एवं प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ) ने सहभागिता की।

राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी किया गया सहभागिता प्रमाण–पत्र

संस्थान में हिन्दी दिवस–वर्ष 2024 का आयोजन

प्रत्येक वर्ष की तरह वर्ष 2024 में दिनांक 16 अक्टुबर को संस्थान के ऑडिटोरियम में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। संस्थान के हिन्दी दिवस–वर्ष 2024 के मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी अनुभाग, नीति आयोग, नई दिल्ली के परामर्शदाता (राजभाषा) श्री सूरज प्रकाश बडगूजर को आमंत्रित किया गया, श्री आशाराम, सहायक निदेशक (पूर्व में प्रध्यापक), केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली को संस्थान के हिन्दी दिवस–वर्ष 2024 के अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। संस्थान के हिन्दी दिवस के अवसर पर श्री सूरज प्रकाश बड़गूजर ने संस्थान को प्राप्त हुए मान्नीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के हिन्दी संन्देश का वाचन किया, तथा श्री आशा राम ने संघ (सरकार) की राजभाषा नीति के बारे में अवगत कराया। डॉ. वेद प्रकाश, सहायक निदेशक एवं प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ) ने संघ (सरकार) की राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं कार्यान्वयन से सम्बन्धित संस्थान में की जा रही गतिविधियों के बारे में अवगत कराया।

संस्थान के हिन्दी दिवस–वर्ष 2024 कार्यक्रम के दौरान श्री सूरज प्रकाश बडगूजर, परामर्शदाता (राजभाषा), हिन्दी अनुभाग, नीति आयोग तथा एवं श्री आशा राम, सहायक निदेशक (पूर्व में प्रध्यापक), केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से संस्थान में हिन्दी पखवाड़ें की अवधि के दौरान आयोजित की गयी सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनके पुरस्कारों और प्रमाण–पत्रों को प्रदान किया गया।

संस्थान में आयोजित किए गए हिन्दी दिवस–वर्ष 2024 के चुनिन्दा फोटोग्राफ

हिन्दी दिवस
डॉ. वेद प्रकाश
आशा राम

संस्थान के सभी अधिकारियों एवं सभी कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से हिन्दी दिवस कार्यक्रम में भाग लिया। संस्थान के हिन्दी दिवस–वर्ष 2024 कार्यक्रम का संचालन संस्थान की हिन्दी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. वेद प्रकाश, सहायक निदेशक और कार्यक्रम की व्यवस्था श्री देवेन्द्र पी. कोहाड़, सहायक अनुभाग अधिकारी द्वारा की गयी।

संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन, प्रगति रिपोर्ट, एवं समीक्षा रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद

संस्थान की वर्ष 2023–2024 की 60वीं वार्षिक रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद संस्थान में ही किया गया। भारतीय संसद में प्रस्तुत करने के लिए संस्थान की वर्ष 2023–2024 प्रगति रिपोर्ट एवं समीक्षा रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद भी संस्थान में ही किया गया।

नराकास की बैठक में प्रतिभागिता

भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा गठित की गयी नराकास में संस्थान को सदस्यता प्रदान की गयी है। नियमानुसार, संस्थान की प्रत्येक छमाही की राजभाषा हिन्दी की प्रगति रिपोर्ट को उक्त समिति को उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है, जिसकी समीक्षा उक्त समिति की छमाही बैठकों में की जाती है। वर्तमान में उक्त समिति की बैठकों का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण अध्यक्षता में सम्पन्न किया जाता है।

नराकास की दिनांक 11–12–2024 को आयोजित की गयी बैठक में उपस्थित संस्थान की हिन्दी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. वेद प्रकाश, सहायक निदेशक

संस्थान की सितम्बर, 2024 को समाप्त छमाही की राजभाषा हिन्दी की प्रगति रिपोर्ट को निर्धारित प्रोफार्मा में तैयार करके उक्त समिति को उपलब्ध कराया गया। उक्त नराकास की चतुर्थ बैठक का आयोजन दिनांक 11–12–2024 को मेजर ध्यान चन्द नेशनल स्टेडियम, दिल्ली में किया गया। उक्त बैठक में अन्य कार्यालयों के साथ समग्र रूप में संस्थान की सितम्बर, 2024 को समाप्त छमाही की राजभाषा हिन्दी की प्रगति रिपोर्ट की भी समीक्षा की गयी, जिसमें संस्थान में हिन्दी कियाकलापों की रिपोर्ट की प्रशंसा की गयी। नराकास की उक्त बैठक में संस्थान की हिन्दी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. वेद प्रकाश, सहायक निदेशक ने भाग लिया।

विभागीय/ संगठनीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक का आयोजन

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक का आयोजन दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 को संस्थान के महानिदेशक एवं संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष महोदय के अनुमति से उक्त बैठक की अध्यक्षता समिति के सदस्य सचिव डॉ. वेद प्रकाश, सहायक निदेशक, प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ) द्वारा की गयी। राजभाषा नियमानुसार इस बैठक में राजभाषा विशेषज्ञ के रूप में हिन्दी अनुभाग, नीति आयोग, नई दिल्ली में कार्यरत परामर्शदाता (राजभाषा) श्री सूरज प्रकाश बडगूजर को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिन्होनें उक्त बैठक में भाग लेकर अपने राजभाषाई ज्ञान से संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों को लाभान्वित किया।

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 की बैठक के प्रतिभागीगण

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 को आयोजित की गयी उक्त बैठक में विचारार्थ कुछ विषय एवं उन विषयों पर लिए गए निर्णय इस प्रकार रहे–

1 संस्थान में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अन्तर्गत जारी किए जाने वाले आदेशों, परिपत्रों, आदि को मूल रूप में हिन्दी में जारी किया जाए और अंग्रेजी अनुवाद साथ में जारी किया जाए, इस विषय पर यह निर्णय लिया गया कि ऐसा प्रयास किया जाए कि राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अन्तर्गत जारी किए जाने वाले आदेशों, परिपत्रों, आदि को मूल रूप में हिन्दी में तैयार किया जाए और अंग्रेजी अनुवाद के साथ जारी किया जाए। राजभाषा नियमानुसार संस्थान का केवल वही अधिकारी/ कर्मचारी हिन्दी अनुवाद की मांग कर सकता है जिसे हिन्दी ज्ञान में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त नहीं है।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अन्तर्गत जारी किए जाने वाले कागजातों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी के नाम का उल्लेख किया जाए।

2 संस्थान में 85 प्रतिशत से ज्यादा अधिकारी/कर्मचारी हिन्दी भाषी हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाए, इस मामले पर चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम 2024–2025 के अनुसार संस्थान में राजभाषाई गतिविधियों में वृद्धि करने के लिए– (क) संस्थान में कार्यरत हिन्दी भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाए, (ख) संस्थान में हिन्दी में मूल पत्राचार और हिन्दी में टिप्पण लेखन के राजभाषाई लक्ष्य को बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों को बनाए रखा जाए।

3 संस्थान की सितम्बर, 2024 को समाप्त तिमाही संस्थान में हिन्दी में मूल पत्राचार और हिन्दी में टिप्पण लेखन राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम 2024–2025 के लक्ष्य के अनुसार पाया गया, जिसे बनाए रखने के लिए पूरे प्रयास किये जाएं।

4 राजभाषा विभाग के केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान से उक्त प्रशिक्षण से सम्बन्धित आवश्यक आदेश जारी होने की स्थिति में संस्थान के हिन्दी भाषा प्रशिक्षण के लिए शेष कर्मचारियों को हिन्दी भाषा प्रशिक्षण के लिए प्राईवेट प्रशिक्षार्थी के रूप में नामित करने की कार्रवाई की जाएगी।

5 राजभाषा विभाग के केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान से उक्त प्रशिक्षण से सम्बन्धित आवश्यक आदेश जारी होने की स्थिति में संस्थान के हिन्दी टंकण प्रशिक्षण के लिए शेष कर्मचारियों को हिन्दी टंकण प्रशिक्षण के लिए प्राईवेट प्रशिक्षार्थी के रूप में नामित करने की कार्रवाई की जाएगी।

6 राजभाषा विभाग के केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान से उक्त प्रशिक्षण से सम्बन्धित आवश्यक आदेश जारी होने की स्थिति में संस्थान के हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए शेष कर्मचारियों को हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए प्राईवेट प्रशिक्षार्थी के रूप में नामित करने की कार्रवाई की जाएगी।

7 राजभाषा विशेषज्ञ श्री सूरज प्रकाश बडगूजर, परामर्शदाता (राजभाषा), हिन्दी अनुभाग, नीति आयोग, नई दिल्ली के सुझाव के अनुसार संस्थान में दिनांक 19 अगस्त, 2021 से लागू की गयी हिन्दी कार्य प्रोत्साहन योजना को पुनः जारी किया जाए।

संस्थान की हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा जारी किए जाने वाले इस अर्द्ध वार्षिक हिन्दी बुलेटिन में अपने स्वःलिखित ज्ञानवर्धक लेख, स्वःरचित कविताएं, आदि, छपवाने के लिए संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से यह अनुरोध किया जाता है कि वह अपने स्वःलिखित ज्ञानवर्धक लेख, स्वःरचित कविताएं, आदि, को हिन्दी के कृतिदेव–10 फोण्ट में टाईप करके हिन्दी प्रकोष्ठ में भिजवा सकते हैं।